



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उद्घ-खण्ड (i),  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 180] नई दिल्ली, बृहस्पतिवार मई 2, 1991/बैशाख 12, 1913  
No. 180] NEW DELHI, THURSDAY, MAY 2, 1991/BAISAKHA 12, 1913

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग रांगल के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 2 मई, 1991

सं. 16/91--केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क (एन.टी.)

सा.का.नि. 252 (अ) : --केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि ऐसी प्रथा के अनुसार,  
जो केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) ने अधीन उत्पाद-शुल्क के उद्ग्रहण  
की बाबत (जिसके अंतर्गत उसका उद्ग्रहण न किया जाना है) साधारणतया प्रचलित थी, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क  
टैरिफ अधिनियम, 1985 (1986 का 5) की अनुसूची के शोर्ष सं. 22.02 के अंतर्गत आने वाले कल गूदा-

पर आधारित पेय, 28 मार्च, 1988 को प्रारंभ होने वाली और 19 मार्च, 1990 को समाप्त होने वाली अवधि के दौरान उत्पाद-शुल्क की उम्मीद भी सं. 20.01 की लागू दर पर उद्धृत किया जा रहा था, उच्चतर दर का दावी था;

अत., अब, केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नम. 318/1944 (1944 का 1) की धारा 11-ग द्वारा प्रदत्त शर्कियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि उक्त प्रथा के न होने पर, ऐसे कल गूदा पर आधारित पेय पर उक्त अधिनियम की धारा 3 के अन्वेषण संदर्भ उत्पाद-शुल्क के उप समस्त भाग का, ऐसे कल गूदा पर आधारित पेय को बाबत संशय किया जाना अपेक्षित नहीं होगा। इस पर उक्त उत्पाद-शुल्क, उक्त प्रथा के अनुसार, उक्त अवधि के दौरान कम उद्धृत किया जाया था।

[फा. सं. 16/3/90-लाइन-1]

एम. के. पंडा, अबर मण्ड़ि

### MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

#### NOTIFICATION

New Delhi, the 2nd May, 1991

NO. 16/91-CENTRAL EXCISES(N.T.)

G.S.R. 252(E).—Whereas the Central Government is satisfied that according to a practice that was generally prevalent regarding levy of duty of excise (including non-levy thereof) under the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), fruit pulp based drinks falling under heading No. 22.02 of the Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986) were liable to a higher rate of duty of excise than what was being levied at the rate applicable to heading No. 20.01 during the period commencing on the 28th March, 1988 and ending with the 19th March, 1990;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 11C of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government hereby directs that the whole of that portion of the duty of excise payable under section 3 of the said Act on such fruit pulp based drinks, but for the said practice, shall not be required to be paid in respect of such fruit pulp based drinks on which the said duty of excise was short-levied during the said period, in accordance with the said practice.

[F. No. 16/3/90-CX.I]  
S. K. PANDA, Under Secy.

Printed by the Manager, Govt. of India Press, Ring Road, New Delhi-110064

and Published by the Controller of Publications, Delhi-110054, 1991